

स. 98] नई दिल्ली, गुक्रवार, फरवरी 27, 1987/फा जुन 8, 1908 No. 98] NEW DELIII, FRIDAY, FEBRUARY 27, 1987 PHALGUNA 8, 1908

इस भाग में भिन्न पृष्ठ सक्या वी जाती है जिससे कि यह अलग सकलन के रूप में रक्षा जा सक

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

कृषि मन्त्रालय

(कृषि और महकारिता विभाग)

श्रादेश

नई दिल्ली, 27 फरवरी 1987

सा. ना. नि 118(अ) — केन्द्रीय सरकार नाणक कीट और नामक जीव ऋधिनियम, 1914 (1914 का 2) की धारा उकी उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त

1681 G1/86

- - (1) इस बावेश का संक्षिप्त नाम वनस्पति, फल और बीज (भारत मे श्रायान का विनियमन) मणोधन श्रावेश, 1987 है।
 - (2) यह राजपत्र मे प्रकाशन की सारीख से प्रवृत्त होगा।
- 2. उनत अदिश की धारा 2 के पैरा (छ) के श्रन्त में निम्नलिखित अन्तःस्थारित किया जाएगा, अर्थात :--

"ओर उस पद में नारतीय कृषि अनुसंधान परिषद या उसके श्रधीन कार्य कर रहे किसी सस्पान द्वारा अनुसंधान के प्रयोजना के लिए किए गए, बीजों और बनस्त्रिन मामग्री के श्रायात में संबंधित निदेशक, राष्ट्रीय वनस्पति श्रानु-विशिकों सन्धिन ब्यूरों (भारतीय कृषि श्रनुसंधान परिषद) भी सम्मिलित है।

[मं 8-5/86 पी.पी. I]

ग्रार, के. श्रीवास्तव सयुक्त सचिव

MINISTRY OF AGRICULTURE

(Department of Agriculture and Cooperation)

ORDER

New Delhi, the 27th February, 1987

- G.S.R. 118(E).—In exercise of the powers conferred by subsection (1) of Section 3 of the Destructive Insects and Pests Act, 1914 (2 of 1914), the Central Government hereby amends the Plants, Fruits and Seeds (Regulation of Import into India) Order, 1984, namely:—
 - (1) This Order may be called the Plants, Fruit and Seeds (Regulation of Import into India) Amendment Order, 1987.
 - (2) It shall come into force on the date of its publication in the Official Gazette.

2. In para (g) of clause 2 of the said Order, the following shall be inserted at the end, namely:—

"and the said term shall also include the Director, National Bureau of Plant Genetic Resources (Indian Council of Agricultural Research) in respect of imports of seeds and plant materials made by the Indian Council of Agricultural Research or any institute under it, for research purposes".

[No. 8-5|86-PPI]

R. K. SRIVASTAVA, Jt. Secy.